साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 41 | गोंदिया : गुरुवार, 20 से 26 मई 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

पार्षद दिलीप गोपलानी की सदस्यता रद्द

अतिक्रमण के मुद्दे पर जिलाधिकारी मीना ने दिया आदेश

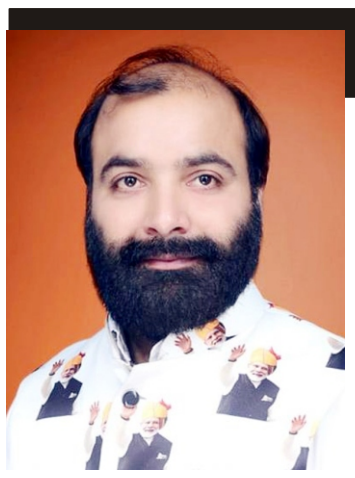

गोंदिया नगर परिषद प्रभाग क्रमांक १५ (ब) के पार्षद दिलीप तुलसीदास गोपलानी द्वारा अतिक्रमण किए जाने को लेकर फरियादी महेश श्यामकुमार वाधवानी द्वारा जिलाधिकारी से शिकायत कर मामला दर्ज किया था। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा पार्षद गोपलानी की सदस्यता रद्द करने का आदेश दिया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया नप प्रक्र १५ (ब) से निर्वाचित भाजपा पार्षद दिलीप गोपलानी द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर मकान बनाने को लेकर फरियादी महेश वाधवानी ने इसकी शिकायत जिलाधिकारी से कर मामला दर्ज किया था। जिसमें दिलीप गोपलानी व उसके परिवार द्वारा नजूल सीट नंबर २५, प्लाट क्रमांक १/३६ व १/३७ जिसका क्षेत्रफल १२०० वर्ग फीट पर बिना मंजूरी अनाधिकृत रुप से निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था। उपरोक्त जगह उनके पिता तुलसीदास गोपलानी के नाम से है, जिनकी कुछ वर्षों पूर्व मृत्यु हो चुकी है। वर्तमान में उपरोक्त संपत्ति जेठानंद तुलसीदास गोपलानी के नाम से हैं। जहां दिलीप गोपलानी रहते हैं। लेकिन दोनों ने किसी भी प्रकार की प्रशासकीय मान्यता न लेकर उपरोक्त प्लाट पर निर्माण कार्य कर नजूल की जगह पर अतिक्रमण किया है।

इस मामले में उन्हें नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था। जिसमें उनके द्वारा दिए गए जवाब में बताया गया कि किसी भी प्रकार से शासकीय जमीन पर अतिक्रमण नहीं किया गया है तथा नगर परिषद सदस्य की कालावधि के दौरान बांधकाम नहीं किया गया। उपरोक्त निर्माण कार्य उनके जन्म के पूर्व उनके दादा व पिता द्वारा किया गया है। शासकीय नियमानुसार सर्वे किए जाने पर पाकिस्तान से आए हुए नागरिकों को दिया गया उपरोक्त प्लाट पर १९४७ से ही मकान निर्मित है। नया अतिक्रमण नहीं किया गया है। इस मामले में मुख्य अधिकारी नगर परिषद के पास उपलब्ध कार्यालय अभिलेख के अनुसार २३११-२०२० को दिए गए अहवाल में २९-६-२०२० को नजूल भूखंड क्रमांक १०९ वाटर १९ का निरीक्षण किया गया था। जिसके अनुसार १७७९ चौरस फीट संपत्ति पर मालमत्ता कर ६४१६ रुपए तथा अनाधिकृत निर्माण पर उसके अनुसार ९६८६ रुपए अतिरिक्त संपत्ति कर इस प्रकार कुल १६१०२ रुपए प्रस्तावित कर मालमत्ता सुधारित आकारणी के लिए महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत औद्योगिक नगरी अधिनियम १९६५ की धारा ११७ से १२४ के तहत मान्यता के लिए प्राधिकृत मूल्यांकन अधिकारी तथा सहायक संचालक नगर रचना शाखा को भेजा गया है। जिससे उपरोक्त नजूल सीट पर बिना मंजूरी के बांधकाम दिखाई दिया है।

इस मामले में शासकीय विभाग नजूल उपविभागीय अधिकारी व नगर परिषद के दस्तावेजों के आधार पर दिलीप गोपलानी द्वारा अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आने पर उसके खिलाफ महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत औद्योगिक नागरी अधिनियम १९६५ के तहत कार्रवाई कर जिला दंडाधिकारी व जिलाधिकारी दीपककुमार मीना द्वारा दिए गए आदेश में गोपलानी की सदस्यता रद्द किया गया है। उपरोक्त आदेश १२ अप्रैल २०२१ को पास किया गया। जिसकी आदेश कॉपी १५ मई २०२१ को जारी की गई। जिसकी प्रतिलिपि प्रधान सचिव नगर विकास मंत्रालय मुंबई, विभागीय आयुक्त तथा प्रादेशिक संचालक नगर पालिका प्रशासन नागपुर व मुख्य अधिकारी नगर परिषद गोंदिया को दी गई है।

राजनीतिक दबाव में निर्णय, हाईकोर्ट में करेंगे अपील

जिलाधिकारी द्वारा राजनीतिक दबाव के चलते पूरी तरह जांच न कर निर्णय लिया गया है। पद पर रहते हुए किसी प्रकार का अतिक्रमण नहीं किया गया। आज जहां रहते हैं वह पिता के द्वारा बनाई गई इमारत है। जिसकी प्रशासन द्वारा कब बनाई गई, उसकी जांच भी नहीं की गई। देश विभाजन के पश्चात पाकिस्तान से भारत आए सभी सिंधी भाई अतिक्रमण की जगह पर ही निवास कर रहे हैं। प्रशासन द्वारा उन्हें अब तक स्थाई पट्टे नहीं दिए गए हैं। पूरी सिंधी कॉलोनी में निर्माण कार्य के लिए किसने मंजूरी ली है, यह शासन बताए। साथ ही यदि इस प्रकार का मामला रहा तो सिंधी समाज का नागरिक चुनाव नहीं लड़ सकता। या तो शासन द्वारा उन्हें पट्टे दिए जाए या चुनाव लड़ने की अनुमति न दी जाए। सदस्यता रद्द करने का यह निर्णय राजनीतिक दबाव के चलते दिया गया है। जिस पर हाईकोर्ट में अपील की जाएंगी।

– दिलीप तुलसीदास गोपलानी

गोंदिया शहर में १५ मई को विशेष टीकाकरण अभियान

शहर के १० सेंटरों में ४५ वर्ष से ऊपर के नागरिकों को लगेगा दूसरा टीका

गोंदिया शहर में १५ मई २०२१ को सुबह १० से शाम ६ बजे तक कोरोना संक्रमण प्रतिबंधक टीकाकरण का विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिसके लिए १० टीकाकरण सेंटर तैयार किए गए हैं। जिसमें कोविशिल्ड का दूसरा टीका दिया जाएगा। जिसका पंजीकरण केंद्र पर ही उपलब्ध होगा। साथ ही टीके का प्रथम डोज लेने वाले नागरिक अपना आधार कार्ड व टीकाकरण के प्रथम डोज लेने का प्रमाणपत्र लेकर जाने पर टीका ले सकते हैं।

शहर में १० टीकाकरण केंद्र

टीकाकरण के लिए गोंदिया शहर में १० सेंटर बनाए गए हैं। जिसमें नगर परिषद स्कूल गणेश नगर, नगर परिषद स्कूल गोविंदपुर, नगर परिषद हाईस्कूल रामनगर, नगर परिषद गर्ल्स हाईस्कूल अग्रेसन भवन के पास, जे.एम. हाईस्कूल अवंती चौक, मालवीय स्कूल श्रीनगर, मनोहर म्युनिसिपल हाईस्कूल स्टेडियम के पास, नगर परिषद स्कूल माताटोली, नगर परिषद स्कूल रेलटोली गुजराती स्कूल के समीप तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुंभारे नगर का समावेश है। उपरोक्त प्रत्येक सेंटरों में कोविशिल्ड के ६०० डोज उपलब्ध करवाए गए हैं।

४५ वर्ष के ऊपर के नागरिक ले दूसरा डोज

गोंदिया शहर अंतर्गत ४५ वर्ष से ऊपर के नागरिक जिन्होंने कोविशिल्ड का पहला डोज ले लिया है व दूसरे डोज के लिए समीप के टीकाकरण केंद्र में जाकर कोरोना प्रतिबंधक नियमों का पालन करते हुए टीकाकरण करवाएं।

– वंदना सारंगपते, उपविभागीय अधिकारी गोंदिया

कोरोना टीकाकरण के लिए शहर में ४५ वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों का होंगा सर्वे

६ अधिकारी व ७४ कर्मचारी के पथक का गठन

गोंदिया – कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए शासन द्वारा टीकाकरण शुरु किया गया है। जिसके अंतर्गत गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र के नागरिक जल्द से जल्द टीकाकरण करवाएं, इसके लिए सभी २१ प्रभागों में सर्वे कर ४५ वर्ष से अधिक कितने नागरिकों ने टीका लगवाया है तथा कितने नागरिकों ने अब तक टीका नहीं लगवाया है, इसकी जानकारी ली जाएगी। जिसके लिए नगर परिषद प्रशासन द्वारा ६ पथक का गठन कर ६ अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी दी गयी है। जिनके अंतर्गत ७४ कर्मचारी सर्वे कर २ दिनों में अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे। जिसके लिए १९ मई को गोंदिया नगर परिषद के सभागृह में पथक के लिए अलग-अलग समय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उन्हें सर्वे करने का प्रशिक्षण देकर जल्द से जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश नगर परिषद मुख्य अधिकारी करण चौहान द्वारा दिया गया है।

उपरोक्त सर्वे २० मई से शुरु होगा। जिसकी रिपोर्ट २२ मई को पेश करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार जानकारी प्राप्त होंगी िशहर में ४५ वर्ष से अधिक कितने नागरिकों ने टीकाकरण करवा लिया है तथा कितनों ने अब तक टीका नहीं लगवाया है। जिसके पश्चात शासन द्वारा जनजागृति कर टीकाकरण के कार्यों को तेज गति प्रदान की जाएंगी। जिससे शहर अंतर्गत एक भी नागरिक टीकाकरण से वंचित न रहे।

गोंदिया नगर परिषद टेक्स विभाग के कार्यालयीन समय में हुआ बदलाव

सुबह ८.०० से शाम ४.१५ तक रहेगा शुरु

गोंदिया – कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन में नागरिकों को सुबह ७.०० से ११.०० तक आवश्यक कार्यों के लिए बाहर निकलने की मंजूरी दी गई है। जिसके चलते ११ बजे के पश्चात संचारबंदी लागू होने से नागरिक नगर परिषद में टेक्स जमा करने नहीं आ सकते। जिससे टेक्स वसूली पर प्रतिकूल असर दिखाई दे रहा है। साथ ही नागरिकों को सुविधा प्राप्त हो जिसमें संपत्ति हस्तांतरण, वारसान पंजीयन, संपत्ति दस्तावेजों की प्रतिलिपि आदि सेवा नागरिकों को प्राप्त हो इसके लिए टेक्स विभाग के समय में २० मई से बदलाव का आदेश मुख्याधिकारी करण चौहान द्वारा जारी किया गया है। जिससे टेक्स विभाग कार्यालय सुबह ८.०० बजे से दोपहर ४.१५ तक शुरु रहेगा। साथ ही निर्देश दिया कि इस समय अवधि में जो भी कर्मचारी अनुपस्थित रहेंगे, उसके वेतन की कटौती की जाए। कार्यालय अधीक्षक प्रतिदिन प्रत्यक्ष निरीक्षण कर अनुपस्थित कर्मचारियों की जांच करें तथा कर वसूली कर्मचारी शहर की जीर्ण इमारतों के संदर्भ में दोपहर २ बजे के पश्चात जांच कर २ दिनों के अंदर इसकी रिपोर्ट नगर रचना विभाग को पेश करें। उपरोक्त आदेश आगामी नए आदेश तक मान्य होगा।

दावानल में झुलसे वन मजूर की उपचार के दौरान मौत

अनिल मुनीश्वर – नागझिरा अभयारण्य, व्याघ्र प्रकल्प नागझिरा व पिटेझरी के कंपार्टमेंट नंबर ९७, ९८, ९९ व १०० में ८ अप्रैल २०२१ की सुबह ११ बजे के दौरान आग लग गई थी। जिसे बुझाने के कार्य में लगे ५ मजदूर झुलस गए थे। जिसमें से तीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी तथा दो जख्मी मजदूरों का नागपुर के एक निजी चिकित्सालय में उपचार चल रहा था। जिनके उपचार का खर्च शासन द्वारा दिया जा रहा था। उनमे से एक मजदूर थाटेझरी निवासी विजय तिजाब मर्सकोले की उपचार के दौरान १७ मई की रात १० बजे के दौरान मौत हो गई। नागझिरा अभयारण्य व व्याघ्र प्रकल्प के संरक्षित क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग में ३ वन मजदूरों की मौत होने पर शासन, वन्यजीव विभाग तथा एनजीओ के माध्यम से आर्थिक मदद की गई थी। वहीं मदद उपचार के दौरान मृत्यु होने पर थाटेझरी निवासी विजय तिजाब मर्सकोले के परिवार को भी प्रदान की जाए ऐसी मांग परिजनों द्वारा की गई है।

संरक्षित वन में कैसे लगी आग, अब तक नहीं हुई जांच

संरक्षित वन क्षेत्र में आग कैसे लगी, किसने लगाई इसका खुलासा अब तक नहीं हो पाया है। अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगाई गई आग की जांच वन्यजीव विभाग द्वारा अब तक नहीं की गई है। साथ ही इस प्रकरण में कौन अधिकारी दोषी है, इस पर भी जांच न होकर कार्रवाई भी नहीं हुई। आज उपचार के दौरान थाटेझरी के मजदूर की मौत होने पर गांव में तनाव की स्थिति निर्माण न हो तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो इसके लिए वन विभाग द्वारा पुलिस विभाग से विनंती कर सुरक्षा बल तैनात किया गया। इस घटना के लिए जिम्मेदार अधिकारी व कर्मचारीयों पर कार्रवाई करने की मांग ग्रामवासियों ने की है।

पटेल के प्रयासों से ३ दिनों में शुरु होगी रबी धान की खरीद

गोंदिया-भंडारा जिले में रबी मौसम की धान खरीदी तत्काल शुरु हो इसके लिए सांसद प्रफुल पटेल ने मंगलवार १८ मई को अन्न व आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल व संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की। जिसमें ३ दिनों में धान खरीदी केंद्र शुरु करने का आश्वासन अधिकारियों ने पटेल को दिया।

गौरतलब है कि रबी मौसम की धान खरीदी का प्रश्न जल्द से जल्द हल हो तथा खरीदी की शुरुआत हो, जिससे किसानों की परेशानी दूर हो। इस संदर्भ में मंगलवार १८ मई को मंत्रालय में अन्न व आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की उपस्थिति में सभा आयोजित हुई। उपरोक्त सभा में सांसद प्रफुल पटेल, आदिवासी विकास व अन्न नागरिक आपूर्ति विभाग के सचिव, मार्केटिंग फेडरेशन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। जिसमें रबी मौसम की धान खरीदी तत्काल शुरु करने बाबत चर्चा की गयी। पटेल ने कहा कि खरीफ मौसम सामने शुरु होने वाला है, किंतु अब तक मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल के धान खरीदी केंद्र शुरु नहीं हुए। जिसके चलते किसानों को आर्थिक परेशानी हो रही है। रबी की फसल की कटाई व चुराई हो चुकी है। साथ ही बेमौसम बारिश का संकट किसानों पर मंडरा रहा है। किसानों को खरीफ फसल के लिए बिजाई, खाद व अन्य कार्यों के लिए धन की आवश्यकता है। किंतु दोनों विभागों की समय निकालने की नीति के चलते किसान परेशान हो रहे हैं। दोनों विभाग तत्काल धान खरीदी केंद्र शुरु करें। जिस पर अन्न नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने निर्देश दिया कि दोनों विभाग तत्काल खरीदी शुरु करें। जिस पर अधिकारियों द्वारा ३ दिनों में शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्र शुरु करने का आश्वासन सभा में सांसद पटेल को दिया गया।

१५ मई को होनेवाले विशेष टीकाकरण अभियान के नियमों में बदलाव

४५ वर्ष से ऊपर के नागरिकों को लगेगा पहला टीका
शहर के १० सेंटरों में उपलब्ध कोविशिल्ड
दूसरे डोज के लिये १२ सप्ताह की गाइडलाईन

गोंदिया शहर में १५ मई २०२१ को सुबह १० से शाम ६ बजे तक चलाए जाने वाले कोरोना संक्रमण प्रतिबंधक टीकाकरण के विशेष अभियान के नियमों में बदलाव किया गया है। अब ४५ वर्ष से ऊपर के नागरिकों को पहला टीका लगाया जाएगा। जिसके लिये १० टीकाकरण सेंटर तैयार किए गए हैं। जिसमें कोविशिल्ड का टीका दिया जाएगा। जिसका पंजीकरण ऑनलाइन होगा। साथ ही जिन नागरिकों ने पहला डोज १२ सप्ताह पहले लिया है उन्हें ही उपरोक्त केंद्रों में दूसरा डोज दिया जाएगा।

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरु

१५ मई को होने वाले टीकाकरण का ऑनलाइन पंजीयन होने के पश्चात ही नागरिकों को टीका लगाया जाएगा। जिसके लिए सभी साईडे प्रारंभ हो चुकी है। साईट्स पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके तय समय पर ही नागरिक टीकाकरण के लिए सेंटरों पर पहुंचे।

– करण चौहान, मुख्याधिकारी नप गोंदिया

८ लाख ४३ हजार रुपये का ७० किलो गांजा जप्त, एक आरोपी हिरासत में

पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में लोकल क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

गोंदिया - पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा अवैध धंधों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हुए हैं। इसी के अंतर्गत १४ मई को गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कामठा में पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के मार्गदर्शन में छापामार कार्रवाई करते हुए ८ लाख ४३ हजार रुपये का मादक पदार्थ गांजा जप्त किया गया। साथ ही कामठा निवासी आरोपी घनश्याम हरीचंद्र अग्रवाल को हिरासत में लिया।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले में मादक पदार्थों का अवैध व्यवसाय बड़े पैमाने पर होता है। जिस पर लगाम लगाने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ने कड़े निर्देश दिए हुए है। इसी के तहत १४ मई को मिली गुप्त जानकारी के आधार पर पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर के मार्गदर्शन में उपविभागीय पुलिस अधिकारी जगदीश पांडे के दिशा-निर्देशानुसार लोकल क्राइम ब्रांच द्वारा ग्राम कामठा में छापामार कार्रवाई की गयी। जिसमें कामठा निवासी आरोपी घनश्याम उर्फ मोनू हरिचंद्र अग्रवाल के निवास स्थान की तलाशी लिए जाने पर एक कमरे में एक बड़ी प्लास्टिक की बोरी दिखाई दी। जिसकी जांच किए जाने पर बोरी में गहरे हरे रंग का पदार्थ प्राप्त हुआ। जिससे तेज गंध आ रही थी। जांच किए जाने पर वह मादक पदार्थ गांजा पाया गया। जिसका कुल वजन ७० किलो २५० ग्राम कीमत ८ लाख ४३ हजार रुपए जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ रावणवाड़ी पुलिस थाने में धारा ८, २० एनडीपीएस एक्ट १९८५ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस निरीक्षक रावणवाड़ी उमेश पाटिल द्वारा की जा रही है। उपरोक्त कार्रवाई लोकल क्राइम ब्रांच के निरीक्षक बबन आव्हाड, उपनिरीक्षक तेजेंद्र मेश्राम, अभयसिंह शिंदे, सहायक फौजदार गोपाल कापगते, राजेंद्र मिश्रा, अर्जुन कावडे, भुवनलाल देशमुख, महेश मेहर, रेखलाल गौतम, नेवालाल भेलावे, इंद्रजीत बिसेन, तुलसीदास लूटे, विजय मानकर, मपोसी सुजाता गेडाम, विनोद गौतम द्वारा की गई।

संपादकिय

वैक्सीन में कितना अंतर हो?

भारत में कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड के दो डोज के बीच अंतर को बढ़ाकर १२ से १६ सप्ताह किए जाने के फैसले पर सवाल-जवाब का सिलसिला थम नहीं रहा है। इस बीच, अस्पतालों और टीका केंद्रों पर दूसरा डोज लेने वालों की भीड़ कम होने की उम्मीद नहीं दिख रही। लोगों के भारी संख्या में अस्पताल पहुंचने और वहां से बैरंग लौटाए जाने की खबरें आ ही रही हैं। इनमें से कइयों को लगता है कि सरकार ने टीकों की कमी के चलते यह फैसला लिया है। हालांकि सरकार शुरु से कह रही है कि फैसला विशेषज्ञों की टीम ने ब्रिटेन में मिल रहे इनपुट के आधार पर किया है। इसका देश में टीकों की मौजूदा कमी से कोई लेना-देना नहीं है। उलझन इस बात से भी बढ़ी कि सरकार के दावे के बाद ब्रिटेन में वैक्सीन के दो डोजों के बीच का अंतर १२ हफ्ते से घटाकर ८ हफ्ते कर दिया गया है। इसके बाद भारत सरकार ने कहा कि जो भी रिसर्च इनपुट आ रहे हैं, उन पर उसके विशेषज्ञों की टीम नजर बनाए हुए है। जब भी जरुरत होगी, फैसले में बदलाव किया जाएगा। लेकिन फिलहाल उसमें किसी परिवर्तन की जरुरत नहीं है।

देखा जाए तो यह सच भी है कि ब्रिटिश सरकार का ताजा फैसला भारत में विकसित हो रहे वायरस मूवमेंट से बचाव की रणनीति का हिस्सा है। वह जल्द से जल्द अधिक से अधिक लोगों को दोनों डोज देकर उन्हें वैक्सीन के सुरक्षा घेरे में लाना चाहती है। इस रणनीति में कुछ गलत नहीं है। लेकिन इसके आधार पर यह नहीं माना जा सकता कि दो डोजों के बीच अंतर घटाना वैक्सीन के प्रभाव को कम या ज्यादा करता है। जानकारों के मुताबिक ब्रिटेन में भी ऐसा कोई डेटा नहीं है, जो यह बताता हो कि डोज का अंतर कम करने से वैक्सीन का असर बढ़ता है। बहरहाल, ये तर्क-वितर्क लोगों के बीच फैले असमंजस को कम नहीं कर पा रहे। हमारे विशेषज्ञों द्वारा रिसर्च इनपुट के आधार पर लिए गए फैसलों पर इस तरह की स्थिति बनना ठीक नहीं है। इन फैसलों में इतनी पारदर्शिता होनी चाहिए कि किसी तरह के भ्रम या संदेह के लिए कोई गुंजाइश न रहे।

मौजूदा मामले में भी सरकार ने जिस नैशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप (इम्यूनाइजेशन) की सिफारिश पर डोजों के बीच का अंतर बढ़ाने का फैसला किया है। उससे जुड़े विशेषज्ञों को चाहिए कि अपने निष्कर्ष का आधार और निष्कर्ष तक पहुंचने की प्रक्रिया सार्वजनिक करें। इससे उन संदेहों को दूर करने में मदद मिलेगी, जो सरकारी दावों के बावजूद लोगों के मन से नहीं मिट पा रहे। आखिर महामारी के खिलाफ यह जंग हम विज्ञान के सहारे ही लड़ने और जीतने वाले हैं और साइंस की गाड़ी पारदर्शिता, विश्वसनीयता के दो पहियों पर ही आगे बढ़ती है।

घर पर उपचार लेने वाले कोरोना मरीजों के उचित उपचार का शिवधनुष उठाये मेरे चिकित्सक - मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे

पहली ऑनलाइन चिकित्सा परिषद में १७ हजार चिकित्सकों के टास्कफोर्स ने किया ऑनलाइन मार्गदर्शन

मुंबई – महाराष्ट्र के सभी चिकित्सक कोरोना के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए **मेरा डॉक्टर** यह मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के अभिनव अभियान को तेजी से प्रतिसाद मिल रहा है। रविवार १६ मई को पूरे राज्य में ग्रामस्तर पर १७५०० फैमिली फिजिशियंस, वैद्यकीय चिकित्सक इनसे टास्क फोर्स के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा करीब २ घंटे तक संवाद कर कोविड-१९ पर मार्गदर्शन करते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। पूरे देश में इतने बड़े पैमाने पर महाराष्ट्र में ऑनलाइन चिकित्सा परिषद का आयोजन पहली बार किया गया। साथ ही इस परिषद में हजारों नागरिकों ने भी दर्शकों के रुप में अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर अपनी प्रस्तावना में राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आव्हान किया कि घरों में रहकर कोरोना का उपचार कराने वाले मरीजों को उचित उपचार का शिव धनुष सभी मेरे डॉक्टर उठाएं, जिससे कोरोना पर मात की जा सके।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से कोरोना पर उपचार इस विषय पर वनएमडी इस ऑनलाइन प्लेटफार्म पर यह परिषद आयोजित की गई थी। जिसमें राज्य टास्क फोर्स के अध्यक्ष डॉ.संजय ओक, सदस्य डॉ.शशांक जोशी, डॉ.राहुल पंडित तथा डॉ. तात्याराव लहाने, डॉ.आशीष भूमकर ने मार्गदर्शन किया।

घर पर संक्रमित मरीजों के उपचार की उत्तम व्यवस्था आवश्यक

कोरोना विषाणु को हराने के लिए अपन सभी एकत्र होकर काम करें। आज परिवार प्रमुख होने के नाते मैं आपसे संवाद कर रहा हूं। विश्व भर में प्रत्येक घर का एक परिवारिक डॉक्टर होता है। मरीज सर्वाधिक विश्वास अपने इस परिवारिक डॉक्टर पर ही रखता है। उस डॉक्टर को परिवार के प्रत्येक सदस्य के स्वास्थ्य की जानकारी होती है। जिसके चलते आज हमें आपके सहयोग की आवश्यकता है। उन्होनें आगे कहा कि आज ७० से ७५: मरीजों में कोरोना के अलग-अलग लक्षण सामने आते हैं। जिसके चलते मरीजों को चिकित्सालय में दाखिल करने की सलाह नहीं दी जाती तथा वे घर में ही विलगिकरण रहकर उपचार लेते हैं। कुछ को दवाइयों की आवश्यकता भी नहीं होती किंतु कुछ मरीज कुछ समय के पश्चात गंभीर होते हैं और देरी से चिकित्सालय में दाखिल हो रहे हैं। जिसके चलते मृत्यु का प्रमाण भी बढ़ रहा है। घरों में मरीजों का उपचार करने वाले मेरे सभी डॉक्टरों की जवाबदारी व भूमिका अधिक महत्व की हो रही है। जिससे घरों में उपचार लेने वाले मरीजों के स्वास्थ्य तथा ऑक्सीजन की स्थिति को देखते हुए मरीजों को उचित उपचार का मार्गदर्शन करना तथा चिकित्सालय में दाखिल करने की आवश्यकता होने पर चिकित्सालय में समय पर दाखिल करवाना तथा उस पर उपचार करना, इन सभी बातों की ओर उस मरीज का उपचार करने वाले डॉक्टर को ध्यान देना आवश्यक है। इस पद्धति से मरीज की उत्तम व्यवस्था होने पर मृत्यु दर भी कम कर सकते हैं। ऐसा विश्वास मुख्यमंत्री ने व्यक्य किया।

कोविड के चलते मरीज के शरीर में शुगर का प्रमाण बढ़ता है। जिससे मधुमेह के मरीजों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक हो जाती है। जिससे मरीजों के रक्त में शुगर का प्रमाण नियंत्रण में रखना आवश्यक है। जिस पर मेरे डॉक्टर ने ध्यान देना चाहिए ।

समीप के कोविड चिकित्सालय में दे सेवा

मुख्यमंत्री ने परिवारिक डॉक्टर के रुप में कार्य करने वाले राज्य के सभी मेरे डॉक्टरों को उनकी सेवा में विस्तार करने संबंधित विनंती की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभव हो सके तो डॉक्टर समीप के कोविड सेंटर में जाकर दिन में एक बार अपनी सेवा दें। जिससे शासन को सहयोग तो मिलेगा ही साथ ही अपने डॉक्टर को मरीज को आकर देखने से उनमें उत्साह का संचार भी होंगा।

बारिश में संक्रमण को रोकना आवश्यक

जल्द ही बारिश का मौसम शुरु होगा। जिसमें सर्दी, बुखार, खांसी के साथ-साथ मलेरिया, डेंगू, लिप्टो जैसी बीमारियों को रोकना रोकने के लिए आव्हान किया है। इस दौरान सभी चिकित्सकों की जवाबदारी बढ़ जाएंगे तथा बारिश में रैपिड, एंटीजन टेस्ट बड़े प्रमाण पर करने की सूचना दी गई।

बाल रोग विशेषज्ञों का टास्क फोर्स ने किया मार्गदर्शन

उपचार पद्धति के संदर्भ में दिशा दिखाने का कार्य राज्य के टास्क फोर्स के सदस्य कर रहे हैं। तीसरी लहर में छोटे बच्चों को कोरोना संक्रमण होने की संभावना बताई जा रही है। जिसकी पार्श्वभूमी पर राज्य शासन द्वारा तैयारियां शुरु की गई है। जिसके लिये बाल रोग विशेषज्ञ के टास्क फोर्स का गठन किया गया है। जिसमें कुछ दिनों में राज्य भर के बाल रोग विशेषज्ञ को टास्क फोर्स मार्गदर्शन करेंगे। वर्तमान समय में सभी चिकित्सक अपने जीवन व परिवार की परवाह न कर सैनिक के समान मरीजों के प्राण बचाने का कार्य कर रहे हैं, जिसमें शासन उनके साथ है। उनको आने वाली परेशानियों को शासन द्वारा हल किया जाएगा, ऐसा आश्वासन चिकित्सकों को दिया।

राज्य में टीकाकरण की स्थिति

राज्य में चल रहे टीकाकरण के संदर्भ में जानकारी दी तथा कहा कि आज राज्य में सभी धार्मिक स्थल बंद है। जिसे आज उनके रुप में भगवान दिख रहा है तुम चिकित्सकों के जैसे देवदूत के रुप में यह लड़ाई निश्चित रुप से ही जीतेंगे, ऐसा विश्वास व्यक्त किया तथा कार्यक्रम में शामिल सभी डॉक्टरों विशेषज्ञों का आभार मुख्यमंत्री ने माना।

टास्क फोर्स के डॉक्टरों का मार्गदर्शन

कोरोना उपचार के दौरान ६ मिनट की वॉकिंग, मरीज की ऑक्सीजन की स्थिति, उनकी आवश्यकता, बोरसी के कारण होने वाले म्युकर कायकोसिस उपचार, रेमडेसीविर का उपयोग, वेंटिलेटर की मरीज पर आवश्यकता, डायबिटीज को नियंत्रित रखने, पोस्ट कोविड-१९ मरीजों पर सावधानी, सीटी स्कैन का उपयोग, ऑक्सीजन का सदुपयोग ऐसे विविध विषयों पर डॉ.संजय ओक, डॉ. संजय जोशी, डॉ.राहुल पंडित, डॉ.तात्याराव लहाने, डॉ.आशीष भूमकर आदि विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन किया।

आज की बात...

इंसानियत इतनी शर्मसार क्यों..?

तमन्ना मटलानी
गोंदिया (महाराष्ट्र)

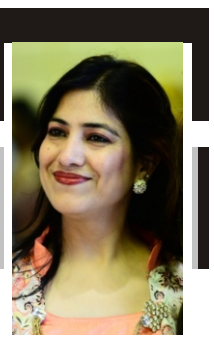

आज के विचार का शीर्षक पढ़कर आप सभी ने यह तो महसूस कर ही लिया होगा कि आज हम कोरोना काल में इंसानी रुप में छिपे हुए गिद्धों के द्वारा इन्सानियत को शर्मसार करने के बारे में चर्चा करने जा रहे हैं।

मैंने इस प्रकार की विचारधारा वाले लोगों के बारे में पहले कभी नहीं सुना था, जो महामारी के समय में भी केवल अपने बारे में ही सोच रहे हैं। ऐसे समय में जहां कई लोग जो एक दूसरे की मदद के लिए अपने हाथ आगे बढ़ा रहे हैं तो वहीं कुछ स्वार्थी लोग निरंतर मानवता को घायल करने में लगे हुए हैं।

टीवी और समाचार पत्रों के माध्यम से हमें ऐसी कई घटनाओं की जानकारी मिलती रहती हैं जो हमें यह सोचने पर विवश कर देती हैं कि क्या इस महामारी के समय में इंसानियत को इस प्रकार शर्मसार करना उचित है? ऐसी ही विभिन्न घटनाओं में से एक घटना यह भी सुनने को मिली कि एक गर्भवती महिला जो कोरोना बीमारी से पीड़ित थी, वक्त पर सहायता न मिलने के कारण अपने उस नन्हें से बच्चे के साथ, जिसने अभी तक इस संसार में जनम भी नहीं लिया था, जिस नन्हीं-सी जान ने अपनी आँखों से इस संसार के सुनहरे रंग देखे भी नहीं थे, उसी अजन्मी नन्हीं-सी जान को अपनी कोख में लिए अर्थात बिना जन्म दिए अपने दिल में अपने बच्चे के जनम की विभिन्न कल्पनाएं समेटे हुए इस संसार को अलविदा करके चली गई।

हमारा भारत देश एक साधन संपन्न देश है। हमारे देश में मेडिकल और अन्य सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। हमारे देश की सभी सरकारों के द्वारा हमेशा से ही मेडिकल जैसी मूलभूत सुविधाओं को जनता तक मुफ्त में पहुंचाने का कार्य होता रहा है। ऐसे महान और उदारवादी हमारे भारत देश में ऐसी दु:खद घटनाएं हमें अंदर तक झकझोर कर रख देती हैं।

हमारे देश में कोरोना बीमारी से पीड़ित लोगों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। आज हम अपने संपूर्ण देश में पीड़ित लोगों की संख्या गिनने की कोशिश करेंगे तो शायद हमारी गिनती भी गड़बड़ा जाएगी। ऐसे बुरे वक्त में भी समाज के कुछ दुश्मन अपनी तिजोरी भरने में लगे हुए हैं। क्या ऐसे लोगों की इंसानियत मर गई है? क्या हम इसे व्यक्ति विशेष के संस्कारों की कमी मान सकते हैं? क्या हमारी संस्कृति हमें आपदा में अवसर खोजने की ऐसी शिक्षा देती है? नहीं मित्रों, न हमारी शिक्षा में कोई कमी है और न ही हमारे संस्कार इतने निम्न प्रवृत्ति के हैं। ये सब तो केवल कुछ लोगों के निज स्वार्थ के कारण हो रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों को न अपने कृत्य पर शर्म आती है, और न ही उनको अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हमारे देश की होने वाली निंदा से ही कोई फर्क पड़ता है।

हमें आए दिन आक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन जैसी आवश्यक दवाईयों की किल्लत के कारण इन साधनों की कालाबाजारी होने की जानकारी सोशल मीडिया और टीवी के समाचार चौनलों और प्रिंट मिडिया के समाचारों में पढ़ने और सुनने में आ रही है । यहां तक भी ठीक है कि कुछ लोग इस मौके का फायदा उठाकर इन जरुरी मेडिकल साधनों की कालाबाजारी कर रहे हैं, पर नकली आक्सीजन सिलेंडर और नकली दवाइयों की आपूर्ति करके आखिर कैसे कोई किसी के अनमोल जीवन के साथ खेल सकता है? कानों पर विश्वास ही नहीं होता क्योंकि, इस प्रकार की घटनाएं तो इंसानियत से भरोसा उठाने वाली हैं।

हमनें समाचारों में समाचार भी जरुर सुना होगा कि ज्वलनशील गैस के सिलेंडर के ऊपरी रंग को बदलकर उसके ऊपर काला रंग चढ़ाया जा रहा है। अन्य कार्यों में उपयोग में लाए जाने वाले सिलेंडरों को आक्सीजन सिलेंडर का रुप देकर उसमें आक्सीजन की सप्लाई करने जैसा घिनौना कार्य कुछ रुपये कमाने की लालच में किया जा रहा है। हमने पिछले कुछ दिनों में अस्पतालों में आग लगने की घटनाऐं जरुर सुनी होंगी। इन घटनाओं के पीछे शायद इस प्रकार के अवैध और नकली आक्सीजन सिलेंडर की सप्लाई भी एक कारण हो सकता है। क्योंकि इसमें पहले ज्वलनशील गैस की सप्लाई की जा रही थी। जिस प्रकार से एक गिद्ध की प्रवृत्ति मृत शरीर को नोचकर-नोचकर खाते हुए उसमें सुकून हासिल करने की होती है, अगर ऐसी प्रवृत्ति इंसान के अंदर आ जाती है तो हम उसे मानव रुपी गिद्ध न बोलें तो ऐसे लोगों को आखिर क्या नाम दिया जाए ?

मित्रों, आज की इन विकट परिस्थितियों में इंसानी वेश धारण किए हुए इन नरभक्षी गिद्धों की पहचान करना बहुत आवश्यक हो गया है। यदि इनकी पहचान समय पर नहीं कि गई तो ऐसे लोग इसी तरह चंद रुपयों के लालच में इंसानियत को शर्मसार करते ही रहेंगे। कोरोना काल में रुग्णवाहिकाएं (एम्बुलेंस) एक आसमानी फरिश्ते के रुप में मददगार बन कर आई हैं। पीड़ित मरीज को जल्द से जल्द अस्पताल पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस किसी देवदूत से कम साबित नहीं हो रही हैं। पर कुछ शहरों में इस वाहन के मालिकों ने इस सेवा को भी पैसा कमाने का एक सरल साधन बना दिया है। कुछ किलोमीटर का किराया हजारों रुपयों में वसूल किया जा रहा है। साधन संपन्न लोग तो यह भार आसानी से वहन कर सकते हैं पर मध्यम और निम्नवर्ग के लोग इस प्रकार की खुली लूट का सामना आखिर कैसे कर पाएंगे? अब वकत आ गया है कि राज्य सरकारों को अपने-अपने प्रदेश में एम्बुलेंस जैसी जरुरी सेवाओं का किराया निर्धारित कर देना चाहिए। इससे आम व्यक्तियों को कुछ राहत मिल सकती है और उनका अतिरिक्त शोषण भी नहीं हो पाएगा।

कहते हैं भगवान के घर देर है पर अंधेर नहीं...। ऐसी सोच रखने वाले इतने आस्थावान समाज में आखिर इस प्रकार के नरभक्षी राक्षस कहां से आ गये हैं? क्या ऐसे लोग इस भ्रम में तो नहीं जी रहे हैं कि उनका कभी अंत समय नहीं आएगा? क्या उनको अमरता का वरदान प्राप्त है? मेरी तो समझ में यह नहीं आया कि अगर भगवान के घर अंधेर नहीं है तो देर किस बात की है? क्यों नहीं भगवान ऐसे लोगों का तुरंत संहार करता है? आखिर क्यों पापी को उचित समय पर दंड नहीं मिल पाता?

अगर सब कुछ इंसान के हाथ में है तो फिर सरकार और न्यायपालिका को ही ऐसी बातों का संज्ञान लेकर ऐसे मौत के सौदागरों की पहचान करके उन्हे सख्त से सख्त दंड देने का प्रावधान करना चाहिए।

इसलिए आइए हम सभी मिलकर मानवता के इस महायज्ञ में अपनी एक आहुति के रुप में पीड़ित लोगों के लिए मदद के हाथ बढ़ाएं । आज वक्त आ गया है कि हम सभी इंसानी रुप धारण करके छुपकर बैठे हुए गिद्धों की जानकारी सरकार तक जरुर पहुंचाएं और संपूर्ण मानव समाज की रक्षा करने में अपना सहयोग और योगदान दें...

तेरा शहर मेरा शहर,
है शहर वीराना-सा,
पसरा है चारों ओर कहर,
रास्ता है खामोश सा,

चल करें इबादत उसकी,
जिस ने दी है जिंदगी,
प्रार्थना है हर किसी की,
सुनेगा जरुर सबकी बंदगी,

ना तू डरे ना मैं डरु,
वक्त है धरा को बचाने का,
कुछ को मैं आगाह करु,
तू भी कर प्रयास बचाने का,

इस वक्त सभी मिलकर चलें,
सभी नियमों का पालन करें,
बाहर ना निकले घर पर ही रहे,
एक दूसरे को जागरुक करें,

फिर से एक नई सुबह आएगी,
चेहरों पर मुस्कान छाएगी,
गुलशन पूरा फिर से निकरेगा,
यह महामारी रुपी संकट जाएगा,

भविष्य में भारत विश्व गुरु कहलायेगा,
विजई विश्व तिरंगा फिर से लहराऐगा,
यह घना अंधेरा फिर से छट जाएगा,
भारत को पूरा विश्व इतिहास याद रखेगा...

– रिया गाजीपुरे

साप्ताहिक राशिफल

मेष : प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा चल रहा है। परिवार व दोस्तों के साथ किसी यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। अपनी पेशेवर क्षमता के चलते संगठन के शीर्ष कुछ लोगों में शामिल हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होने की संभावना है। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं।

वृषभ : कार्यक्षेत्र आपको कोई रोक रहा है इसलिए सतर्क रहें और मेहनत करते रहें। जीवनसाथी के साथ रिश्तों को सुधारने की कोशिश करें। समाज में किसी व्यक्ति की बढ़ती लोकप्रियता से आपको ईर्ष्या हो सकती है। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मिथुन : व्यापार में चल रही हानि का असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपका ढीला रवैया आपको परेशानी में डाल सकता है। समाज में अपनी पहचान बनाने में आप सफल होंगे।

कर्क : डॉक्टर्स व इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों की आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी। जीवनसाथी के मूड का ख्याल रखें वरना समस्या हो सकती है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी में हिस्सा लेकर ऊर्जावान महसूस करेंगे। छुट्टियों पर जाने के प्रोग्राम स्थगित होगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र पर किसी प्रोजेक्ट में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक रुप से आपको थोड़ा मुखर होने की आवश्यकता है, वरना कोई आपको किनारे कर सकता है। धन लाभ के चलते इस सप्ताह आप आर्थिक रुप से मजबूत रहेंगे।

कन्या : प्रेम संबंधों के लिए समय रोमांच भरा साबित होगा। इस शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी जगह नौकरी दिलाने में नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। समस्या से बचने के लिए दिए गए काम को समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

तुला : पढ़ाई में इस सप्ताह आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। धन संबंधित परेशानियों को दूर करने में नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, इस सप्ताह आपकी रोमांटिक आकांक्षाएं जल्द पूरी होंगी।

वृश्चिक : काम के बोझ का असर आपके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ मतभेद की आशंका है। पढ़ाई में निराशाजनक प्रदर्शन से आत्मविश्वास कम हो सकता है।

धनु : पिछले निवेश से अच्छे रिटर्न्स मिलने की संभावना है। धन लाभ व यात्रा के भी योग बन रहे हैं। किसी चीज को खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है।

मकर : कार्यक्षेत्र पर अच्छी नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। किसी परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न होगा। प्रेम संबंधों के लिए समय मिला-जुला रहेगा। इससे पहले कि आपका साथी आपके पिछले जीवन के बारे में जानें, बेहतर होगा कि आप उसे पहले ही सब बता दें।

कुंभ : सप्ताह अधूरे कामों को पूरा करने के लिए उपयुक्त रहेगा। किसी व्यावसायिक यात्रा पर जाकर अच्छा महसूस कर सकते हैं। अच्छी प्लानिंग के चलते काम समयसीमा में पूरा होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। किसी से मिले सरप्राइज गिफ्ट से मन प्रसन्न होगा।

मीन : किसी स्कीम में पैसा लगाने में जल्दबाजी से धनहानि हो सकती है। खानपान को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। प्रेम संबंधों को लेकर सप्ताह संतोषजनक रहेगा। किसी यात्रा पर जाने से पहले मौसम के बारे में जानकारी लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय के ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं हुए रिफिल

पिछले माह का भुगतान नहीं होने के चलते श्याम इंटरप्राइजेस ने किया वापस

गोंदिया – कोरोना संक्रमण काल में मरीजों को ऑक्सीजन की गंभीर आवश्यकता होती है। लेकिन तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय द्वारा ऑक्सीजन का भुगतान नहीं किए जाने के चलते १४ मई को श्याम इंटरप्राइजेस द्वारा तिरोड़ा के ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल न कर वापस किया गया। जिसके पश्चात पुराने सप्लायर मित्तल गैस द्वारा गंभीर परिस्थिति को देखते हुए तत्काल ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल कर तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय को उपलब्ध करवाया गया।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण काल में प्रशासन व जनप्रतिनिधियों द्वारा दावे किए जा रहे है कि मरीजों को लगने वाली ऑक्सीजन की कमी नहीं होंगी। लेकिन १४ मई को तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय के ऑक्सीजन सिलेंडर जब रिफिल होने के लिए गोंदिया शहर के फूलचूर स्थित श्याम इंटरप्राइजेस पहुंचे, तो गत एक माह का भुगतान नहीं होने के चलते उधारी नहीं देने की बात कह कर श्याम इंटरप्राइजेस द्वारा तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय के ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल करने से मना किया गया।

उल्लेखनीय है कि इस गंभीर परिस्थिति में प्रशासन द्वारा किसी भी चिकित्सालय में ऑक्सीजन की कमी न हो, इसके लिए दिन-रात प्रयास किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर उपजिला चिकित्सालय जैसी संस्था द्वारा भुगतान नहीं हो पाने से उन्हें ऑक्सीजन के बिना वापस होना पड़ रहा है। तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय द्वारा अपनी आवश्यकता के लिए पहले नागपुर से ऑक्सीजन बुलाई जाती थी। लेकिन वहां से मिलना बंद होने पर १ माह पूर्व प्रशासन के आदेश पर श्याम इंटरप्राइजेस से ऑक्सीजन लेना शुरु किया था। एक ओर तो श्याम इंटरप्राइजेस का करोड़ों रुपया प्रशासन पर ऑक्सीजन का बकाया होने पर भी नियमित सप्लाई की गई। किंतु एक माह में ही भुगतान न होने पर श्याम इंटरप्राइजेस द्वारा ऑक्सीजन न देना, यह शासन की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। जब एक एजेंसी मित्तल गैस द्वारा जिले में नियमित ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है तो शासन द्वारा उसे बंद कर नई-नई एजेंसी को नियुक्त किया जा रहा है। जो कुछ ही दिनों में भुगतान न होने की स्थिति में ऑक्सीजन की सप्लाई रोक रहे हैं।

उधारी देने या न देने पर शासन का नियंत्रण नहीं

ऑक्सीजन सप्लायर द्वारा उधारी देने या न देने पर शासन का नियंत्रण नहीं होता। श्याम इंटरप्राइजेस का एक माह का भुगतान बताया था। जिसके भुगतान करने की जिम्मेदारी सिविल सर्जन की है। साथ ही तिरोड़ा उपजिला चिकित्सालय के प्रभारी डॉक्टर हिम्मत मेश्राम ने इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए था। इस संदर्भ में सीएस को भुगतान के लिए बोला गया। तिरोड़ा के ऑक्सीजन सिलेंडर फिर पुराने सप्लायर मित्तल से भरवा कर तिरोड़ा रवाना किए गए।

– सुभाष चौधरी, उपजिलाधिकारी व नोडल अधिकारी, ऑक्सीजन आपूर्ति गोंदिया

प्रशासन व प्रफुल पटेल ने उपलब्ध करवाई लिक्विड ऑक्सीजन

गोंदिया जिले में ऑक्सीजन की कमी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन व सांसद प्रफुल पटेल द्वारा निरंतर प्रयास कर श्याम इंटरप्राइजेस को लिक्विड ऑक्सीजन की आपूर्ति नियमित करवाई। लेकिन १ महीने का ही भुगतान नहीं होने से ऑक्सीजन न देना, यह प्रशासन व श्याम इंटरप्राइजेस की कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। एक ओर महामारी में ऑक्सीजन की आपूर्ति निरंतर हो, इसके लिए प्रयास हो रहे हैं लेकिन भुगतान के विषय को लेकर ऑक्सीजन न दिया जाना, इस पर प्रशासन क्या करेगा यह आगे देखना होगा।

उपजिला चिकित्सालय के प्रभारी डॉक्टर मेश्राम की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह

गोंदिया जिले के तिरोड़ा के उपजिला चिकित्सालय में प्रभारी पद पर कार्यरत डॉक्टर हिम्मत मेश्राम की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहे हैं। मरीजों को लगने वाले ऑक्सीजन की नियमित आपूर्ति के संदर्भ में बार-बार एजेंसियां बदलना, समय पर भुगतान के लिए कार्य न करना, इसके पूर्व मित्तल गैस का ६ माह तक भुगतान नहीं किया गया, इसके बावजूद मित्तल द्वारा ऑक्सीजन आपूर्ति नियमित की गई। किंतु अचानक उसे बदलकर श्याम इंटरप्राइजेस को ऑक्सीजन की सप्लाई का कार्य देना, बिना किसी टेंडर प्रक्रिया के तथा जिसके द्वारा एक माह का भुगतान बाकी होने पर ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिल कर न देना तथा उपजिला चिकित्सालय में महीनों तक वेंटिलेटर गोदाम में रखे होना, मरीजों के उपचार में न लगाना, इसकी जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता यादवबंधु को होने पर वहां पहुंचकर वेंटिलेटर शुरु करवाया जाना तथा इन सभी परेशानियों के संदर्भ में जब उनसे फोन पर संपर्क किया जाता है तो वह फोन उठाना भी मुनासिब नहीं समझते। जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह निर्माण हो रहा है।

मांग के अनुसार कराया उपलब्ध

तिरोडा उपजिला चिकित्सालय ऑक्सीजन सिलेंडर की मांग के अनुसार तथा मरीजों की स्थिति को देखते हुए तत्काल उपलब्ध करवा कर दिया।

– श्याम मित्तल, संचालक मित्तल गैस एजेंसी गोंदिया

२१ मई से रबी धान की खरीदी सेंटरों पर करें शुरु अन्यथा करेंगे आंदोलन - कमलेश सोनवाने

गोंदिया – शासकीय आधारभूत केंद्रों पर रबी फसल की खरीदी अब तक शासन द्वारा शुरु नहीं किया गया। यदि २१ मई तक आधारभूत खरीदी सेंटरों में खरीदी शुरु नहीं की गई तो आंदोलन किए जाने की चेतावनी सामाजिक कार्यकर्ता व किसान कमलेश सोनवाने ने दी है। गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते किसानों की आर्थिक स्थिति डगमगा चुकी है। उस पर भी राज्य सरकार द्वारा रबी फसल की खरीदी शासकीय आधारभूत खरीदी सेंटरों में शुरु नहीं की गई। २१ मई तक सेंटरों में खरीदी नहीं किए जाने पर किसानों द्वारा आंदोलन किए जाने की चेतावनी नंगपुरा मुर्री निवासी सामाजिक कार्यकर्ता व किसान कमलेश सोनवाने ने दी है। साथ ही खरीफ मौसम की खरीदी का बोनस भी किसानों को अब तक नहीं मिल पाया है। आगामी कुछ ही दिनों में बारिश शुरु हो जाने की स्थिति में किसानों की रबी की फसल जिस की कटाई हो चुकी है जो बारिश में खराब होने की स्थिति में किसानों पर डबल आर्थिक संकट निर्माण हो जाएगा। लेकिन शासन द्वारा अब तक खरीदी नहीं किए जाने के चलते बड़ी संख्या में जिले के किसान सेंटरों में खरीदी शुरु होने का इंतजार कर रहे हैं। धान की बिक्री होने पर प्राप्त राशि से किसान आगामी फसल की तैयारी में जुट जाएंगे। लेकिन अब तक खरीदी नहीं होने से कृषि कार्य शुरु करने में काफी परेशानी हो रही है। साथ ही खाद की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हो जाने पर राज्य सरकार द्वारा इस ओर भी जल्द से जल्द निर्णय लिया जाए, ऐसी मांग किसान कमलेश सोनवाने द्वारा की गई है।

आधारभूत धान खरीदी केंद्र जल्द शुरु न होने पर आन्दोलन की चेतावनी

भाजपा ने जिला अधिकारी को दिया ज्ञापन

गोंदिया जिले में खरीफ मौसम में खरीदे गए धान की मिलिंग करवाकर रबी मौसम के धान की खरीदी के लिए आधारभूत सेंटर तत्काल शुरु करें, अन्यथा भारतीय जनता पार्टी द्वारा आंदोलन किया जाएगा। ऐसी चेतावनी का ज्ञापन १७ मई को पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले के नेतृत्व में मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को दिया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष केशवराव मानकर, विधायक विजय राहंगडाले, हेमंत पटले, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, वीरेंद्र अंजनकर आदि उपस्थित थे।

निवेदन में मांग के अनुसार जिले में प्रतिवर्ष रबी धान की फसल बड़े पैमाने पर लगाई जाती है। धान की बिक्री से किसान अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं। किंतु शासकीय धान खरीदी केंद्रों में खरीफ मौसम में खरीदे गए धान को नहीं उठाए जाने के चलते आदिवासी विकास महामंडल तथा जिला मार्केटिंग फेडरेशन के अंतर्गत सहकारी संस्थाओं के गोदाम पुराने धान से ही भरे हुए हैं। जिसके चलते रबी मौसम की खरीदी शुरु नहीं हो पाई है। इस कारण किसान अपना धान खुले बाजार में कम कीमत पर हजार से १२ सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से बिक्री करना पड़ रहा है। विशेष यह कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है तथा लॉकडाउन से किसान व कृषि मजदूर पर रोजगार का संकट निर्माण हो गया है। अनेक रोजगार बंद हो गए हैं, बारिश के शुरु होने में मात्र १५ दिन ही बाकी है जिसके चलते शासन २१ मई तक धान की खरीदी आधारभूत सेंटरों में तत्काल शुरु करें, अन्यथा भारतीय जनता पार्टी द्वारा आंदोलन किए जाने की चेतावनी निवेदन में दी गई।

प्रोत्साहन अनुदान बोनस व गोदाम पर चर्चा

किसानों द्वारा कर्ज की रकम प्रतिवर्ष वापस किए जाने पर उन्हें दिए जाने वाला ५० हजार रुपए प्रोत्साहन अनुदान अब तक नहीं दिया गया। साथ ही धान बिक्री पर ७०० रुपए क्विंटल बोनस भी नहीं मिला है। जो जल्द से जल्द दिया जाए। ऐसी मांग इस दौरान की गई तथा शासन के पास धान रखने के लिए गोदाम खाली नहीं है, जिसके चलते प्रशासन राईस मिलर्स व सहकारी संस्था से संयुक्त रुप से चर्चा कर संस्था के माध्यम से राईस मिल में ही धान खरीदी शुरु की जाए, जिससे धान संग्रह करने की समस्या नहीं होंगी तथा मिलिंग का प्रश्न भी हल होगा, ऐसी मांग की गई ।

कोविड मरीजों के उपचार की राशि वापस करें

शासन के निर्णय अनुसार राज्य के नागरिकों को कोरोना के उपचार के लिये महात्मा ज्योतिबा फुले जन स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत खर्च दिया जाता है। इस योजना के संदर्भ में हाल ही में मुंबई उच्च न्यायालय की औरंगाबाद खंडपीठ ने तत्काल अमल के आदेश दिए हैं। जिसमें जिले के सभी कोविड-सेंटरों में उपचार लिए कोरोना मरीजों को इस योजना का लाभ देकर उपचार में खर्च गई निधि वापस किया जाए, ऐसी मांग निवेदन के माध्यम से की गई है।

जैव इंधन एवं जैविक खाद प्रकल्प का अक्षय तृतीया के अवसर पर हुआ भूमिपूजन

गोंदिया तहसील के किसानो की आमदनी होगी दुगनी – महेंद्र ठाकुर

गोंदिया जिले के आधुनिक एवं प्रगत किसान महेंद्र ठाकुर ने गोंदिया जिले में जैविक खेती को बढ़ावा दिया है। अब वह जैविक इंधन के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। उनका मानना है कि जब तक हमारे देश के किसान अपने खेतों में इंधन का उत्पादन नहीं करेंगे तब तक हमारे देश को इंधन क्षेत्र मे मजबूत नहीं बनाया जा सकता।

इसी संकल्पना के साथ पूर्व राष्ट्रपति एवं देश के महान वैज्ञानिक ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को प्रेरणास्रोत मानकर उन्होंने जैविक इंधन निर्मिती प्रकल्प की शुरुवात अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर की है। प्रकल्प को मीरा क्लीन फ्यूल लिमिटेड कंपनी के साथ साझेदारी में शुरु किया गया है। मीरा क्लीन फ्यूल लिमिटेड कंपनी जापानी टेक्नॉलॉजी के माध्यम से बायोगॅस निर्मिती करेगी। जिसका उपयोग घरेलू गैस तथा दुपहिया व चौपहिया वाहन चलाने में किया जायेगा।

गोंदिया तहसील में प्रतिदिन लगभग चार लाख लिटर पेट्रोल-डिजल तथा १२००० लिटर घरेलु गैस की खपत होती है। जिसके कारण गोंदियावासियों का करोडो रुपये विदेशों को जाता है। वैसे ही आज बढ़ते पेट्रोल-डिजल की कीमत से पहले ही सभी का बूरा हाल हो गया है। इस प्रकल्प से गोंदिया जिले के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। क्योंकि इस प्रकल्प से उत्पन्न होने वाली गैस की किमत विदेशों से आनेवाले इंधन के मुकाबले काफी कम होगी एवं हमेशा उपलब्धता रहेगी। इस प्रकल्प की शुरुवाती क्षमता दस हजार लिटर प्रति दिन होगी। इसे बढाकर एक लाख लिटर प्रतिदिन किया जायेगा। इस प्रकल्प का संचालन गोंदिया पावर प्रोडूसर कंपनी के माध्यम से किया जायेगा। जिसके मुख्य संचालक महेंद्र ठाकुर है। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर प्रकल्प का भूमिपूजन प्रेरणास्रोत एवं रुची बायो कंपनी लिमिटेड के संचालक श्रीराम ठाकुर के शुभहस्ते हुआ। मार्गदर्शन ब्रम्हाकुमारी माउंट आबू की कृषी एवं ग्राम विकास की अध्यक्ष राजयोगिनी ब्रम्हकुमारी सरलादीदी एवं उपाध्यक्ष राजू भाई का मिला। प्रमुख अतिथी के रुप मे गोंदिया जिला कृषी अधिकारी गणेश घोरपडे, राजयोगिनी ब्रम्हकुमारी प्रेमलतादीदी, भालचंद्र ठाकुर, गोंदिया पावर प्रोडूसर कंपनी के मुख्य संचालक महेंद्र ठाकुर, संचालक प्रवीन चौधरी, संचालक इंजि. राजीव ठकरेले, संचालक पंकज चौधरी उपस्थित थे ।

कोविड-१९ वे सभी नियमों का पालन करते हुए भूमिपुजन किया गया। कार्यक्रम में आनलाईन जूम एप के माध्यम से जुडते हुए पूरे देश के जैव इंधन एवं जैविक खेती प्रेमी इसका हिस्सा बनें। भूमिपूजन के पावन अवसर पर मुख्य संचालक महेंद्र ठाकुर ने कहा कि गोंदिया तहसील के किसानों की आमदनी दुगनी से भी ज्यादा होगी एवं गोंदिया तहसील पुरे विदर्भ में जैविक खेती में अव्वल रहेगा। अब किसानों के खेतों से इंधन की पैदावार होगी। ठाकुर ने गोंदिया तहसील के किसानो से अपील की है कि हमारी कंपनी के साथ पंजीकृत सदस्य बनकर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने तथा गोंदिया तहसील को समृद्ध एवं देश को जैविक इंधन के क्षेत्र में मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग प्रदान करें।

धान की कटी फसल जलकर खाक किसान को लाखों का नुकसान

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम ताडगांव निवासी किसान ताराचंद सोमा भसाखेत्री की साड़े तीन एकड़ खेत में लगाई धान की कटी फसल जलकर खाक हो गई। जिससे किसान को डेढ़ लाख रुपए का नुकसान हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान द्वारा गट क्रमांक ३९३ में साड़े तीन एकड़ खेती में धान की फसल लगाई थी। जिसकी कटाई कर गठ्ठे तैयार कर रखा हुआ था। जिसे बुधवार की मध्य रात्रि को अज्ञात आरोपी द्वारा आग लगा दी गई। जिसमें पूरे धान के गठ्ठे जलकर राख हो गए। जिसकी जानकारी सुबह ६ बजे किसान को प्राप्त हुई। इस मामले में फरियादी कैलाश ताराचंद द्वारा अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई तथा पटवारी द्वारा घटना का पंचनामा किया गया। इस नुकसान के भरपाई की मांग ताराचंद द्वारा शासन से की गई है।

चोरी के जेवरात पुलिस ने किये वापस

रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत ३ चोरी के मामले में सोने-चांदी के जेवरात जप्त किए गए थे, जिनि फरियादियों को वापस किए गए। गौरतलब है कि रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी के तीन मामलों में जप्त सोने-चांदी के जेवरात न्यायालय के आदेश पर फरियादियों को वापस दिए गए। जिसमें पहला मामला रिंग रोड निवासी अजय होशीलाल मिश्रा के यहां ३० जनवरी २०२१ को चोरी हुई थी। जिसकी शिकायत रामनगर पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस द्वारा उपरोक्त मामले में चोरों से चोरी किए गए २ लाख ३० हजार के जेवरात जप्त किए गए थे। जिसे न्यायालयीन प्रक्रिया पूरी कर फरियादी को वापस किए गए। दूसरा मामला गौसिया मस्जिद रामनगर निवासी दीपक मुन्नालाल श्रीवास के यहां ११ अप्रैल २०१२ को चोरी हुई थी। जिस मामले में रामनगर पुलिस थाने में मामला दर्ज था। जिसमें २७७९० के जेवरात चोरी हुए थे। उपरोक्त मामले में पुलिस द्वारा मामले का खुलासा कर आरोपियों को ही गिरफ्तार कर चोरी किए गए जेवरात जप्त कर फरियादी को वापस किए गए। तीसरा मामला रामनगर निवासी अशरफ जुम्मन शेख के यहां २७ मई २०१५ को चोरी हुई थी, जिसमें ८२९० के जेवरात चोरी हुए थे को फरियादी को वापस किया गया

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जगदीश पांडे, पुलिस निरीक्षक प्रमोद घोगे, उपनिरीक्षक मधुकर सामलवार की उपस्थिति में की गयी। फरियादियों ने सोने-चांदी के जेवरात पूर्ण रुप से वापस मिलने पर पुलिस विभाग का आभार व्यक्त किया।

वाहन दुर्घटनाग्रस्त ड्राइवर की जलकर मौत

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले सीधीपार खेत परिसर में परसोडी निवासी मुन्ना वकडु कांबडे (४०) द्वारा अपनी मारुति वैन क्रमांक एमएच३५-इ४२१ को लापरवाही पूर्ण तेज गति से चलाते हुए खोडसिवनी से सौंदड मार्ग पर सीधीपार खेत परिसर के पास संतुलन बिगड़ जाने से मार्ग से उतर कर पलस के पेड़ से टकरा गई। इस दुर्घटना में मारुति वैन में आग लग गई व ड्राइवर की जलकर मौत हो गई तथा अन्य लोग जख्मी हो गए। इस मामले में फरियादी परसोडी निवासी गुणवंत देवराम कांबडे की मौखिक शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस थाने में भादवि की धारा २७९, ३३७, ३०४ (अ) के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा चौधरी द्वारा की जा रही है।

रेलवे ई-टिकट दलाल पर क्राइम ब्रांच, आरपीएफ गोंदिया की कार्रवाई

गोंदिया – कोरोना काल में भी रेलवे की ई-टिकट की कालाबाजारी कर रहे दलाल पर क्राइम ब्रांच रेलवे सुरक्षा बल गोंदिया द्वारा कार्रवाई करते हुए २४ नग ई-टिकट जिसकी कुल कीमत २६३३६ जप्त कर आरोपी ग्राम हिर्री थाना किरणापुर जिला बालाघाट निवासी देवेंद्र रामनाथ पंचवारे (३०) को हिरासत में लिया। जिसकी गुप्त जानकारी रेलवे सुरक्षा बल के अपराध शाखा को प्राप्त होते ही गोंदिया के निरीक्षक अनिल पाटील, सहायक उपनिरीक्षक एस.एस.ढोके, प्रधान आरक्षक आर. सी. कटरे एवं आरक्षक एस.बी. मेश्राम द्वारा की गई।

उपरोक्त मामले में आरोपी के खिलाफ धारा १४३ रेल अधिनियम के तहत दर्ज कर रेलवे सुरक्षा बल चौकी बालाघाट को आगे की कार्रवाई के लिए सुपुर्द किया गया। जहां से आरोपी को रेलवे न्यायालय जबलपुर में पेश किया गया।

ब्लैक फंगस के पहले मरीज को निशुल्क ईलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में कराया एडमिट

महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के अंतर्गत कराएं निशुल्क उपचार – पार्षद लोकेश यादव

गोंदिया – कोरोना संक्रमण काल के दौरान लोकेश यादव व पंकज यादव द्वारा निरंतर नागरिकों की विभिन्न समस्याओं के लिए सक्रियता से कार्य किये जा रहे हैं। इसी के अंतर्गत गोंदिया शहर में ब्लैक फंगस की बीमारी से ग्रसित पहले व्यक्ति को निशुल्क उपचार के लिए लोकेश यादव ने शासकीय मेडिकल कॉलेज में दाखिल कराया।

गौरतलब है कि कोरोना के बाद ब्लैक फंगस जैसी बीमारी पैर पसार रही है। इसी के तहत गोंदिया शहर में इस बीमारी से ग्रसित होने का पहला मामला सामने आया। जिसके उपचार के लिए निजी चिकित्सालय ने १० लाख रुपए की मांग की थी। लेकिन पहले ही उपचार में वह व्यक्ति आर्थिक रुप से टूट चुका था। उसके परिजन

इस स्थिति को लेकर काफी परेशान थे। जब उपरोक्त मामला पार्षद लोकेश यादव के सामने आया तो उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फुले स्वास्थ्य योजना के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर स्वयं मेडिकल कॉलेज पहुंचकर उपरोक्त मरीज को इस योजना के अंतर्गत निशुल्क उपचार के लिए दाखिल कराया। लोकेश यादव ने आवाहन किया है कि यदि कोई भी व्यक्ति इस बीमारी से ग्रस्त होता है तो बिना समय गवाएं शासकीय मेडिकल कॉलेज में उसे निशुल्क उपचार के लिए दाखिल कराया जाए। महाराष्ट्र सरकार द्वारा ब्लैक फंगस बीमारी का उपचार महात्मा ज्योतिबा फुले योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। जिसमें इस बीमारी का निशुल्क उपचार होगा तथा वर्तमान में इसका गोंदिया शहर में शासकीय मेडिकल कॉलेज में निशुल्क उपचार हो रहा है। इसके साथ ही ८ दिनों पश्चात बाहेकर नर्सिंग होम में भी उपरोक्त सुविधा मिलने लगेगी, ऐसी जानकारी लोकेश यादव द्वारा दी गई है।

पेयजल की आपूर्ति २ दिनों से नहीं होने से नागरिकों को हो रही परेशानी

महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण ने नहीं दी पूर्व सूचना

गोंदिया शहर में नागरिकों को पेयजल की आपूर्ति महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा की जाती है। गत २ दिनों से पेयजल की आपूर्ति नहीं हो रही है। जिसकी पूर्व सूचना मजिप्रा द्वारा नहीं दिए जाने से नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि ग्रीष्मकाल में पानी की आवश्यकता अधिक हो जाती है। लेकिन अचानक २ दिनों से पेयजल की आपूर्ति नहीं होने से नागरिकों के समक्ष पेयजल का संकट निर्माण हो गया। गोंदिया शहर में नागरिकों को पेयजल की आपूर्ति महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण द्वारा की जाती है। हालांकि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष जलापूर्ति किए जाने वाले जलस्त्रोतों में पानी की कमी नहीं है। बावजूद इसके अचानक जलापूर्ति नहीं होना, प्रशासन की लापरवाही उजागर करता है। वर्तमान में कोरोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन लगा है। ऊपर से पेयजल की आपूर्ति नहीं होना सामान्य नागरिकों के लिये परेशान का कारण बना हुआ है। शासन नियमानुसार जलापूर्ति नहीं होने की स्थिति में संबंधित विभाग द्वारा नागरिकों को पूर्व सूचना देना आवश्यक है। लेकिन अचानक आपूर्ति बंद होने के बावजूद विभाग द्वारा इसकी सूचना नागरिकों को नहीं दी गई है। हालांकि शुक्रवार को शहर के कुछ स्थानों में मामूली जल आपूर्ति हुई थी, लेकिन पानी इतना गंदा था कि पीना तो दूर उसे अन्य उपयोग में भी नहीं लाया जा सकता था।

आज से नियमित जलापूर्ति

बेमौसम बारिश के चलते नदी में पानी काफी गंदा हो चुकी थी। जिसके चलते टंकियां कम भरी गई। किंतु शुक्रवार शाम से जलापूर्ति नियमित की जाएंगी। आकस्मिक परिस्थिति में सूचना नहीं दी गई। यदि तकनीकी खराबी आती तो इसकी पूर्व सूचना विभाग द्वारा दी जाती है।

– **रत्नाकर चंद्रिकापुरे,** कार्यकारी अभियंता मजीप्रा गोंदिया

जंगली सूअर गिरा कुएं में वन विभाग ने रेस्क्यू कर छोड़ा जंगल में

अनिल मुनीश्वर – सड़क अर्जुनी पंचायत समिति के समीप खेत के खुले कुए में जंगली सूअर के गिरने की घटना १९ मई की सुबह ५ बजे के दौरान घटित हुई। वन विभाग द्वारा रेस्क्यू कर जंगली सूअर को कुएं से निकालकर जंगल में छोड़ा गया।

गौरतलब है कि सड़क अर्जुनी गांव से आधा किलोमीटर की दूरी पर ही नवेगांव-नागझिरा अभयारण्य के वन्य प्राणी ग्रीष्मकाल में पानी की तलाश में ग्राम व खेतों की ओर आते हैं। लेकिन अनेक खेती में कुएं जमीन लेवल के होने के चलते वन्य प्राणी कुएं में गिर जाते हैं। इसी प्रकार का नजारा आए दिन तहसील में देखने को मिलता है। गत कुछ महिनों पूर्व भी एक नीलगाय ग्राम महशवाणी में घर के पीछे स्थित कुएं में गिर गई थी। वन्यजीव विभाग द्वारा खेतों में स्थित कुओं में लोहे की जाली लगाना आवश्यक है। जाली न होने के कारण वन्य प्राणी खेतो के कुएं में गिरने की घटना घटित होती रहेंगी। इस मामले वन्यजीव विभाग के अधिकारियों द्वारा विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उपरोक्त रेस्क्यू ऑपरेशन साकोली वन परिक्षेत्र के अधिकारी नरड के मार्गदर्शन में रोहित लांजेवर, आनंद बंसोड़, रंजीत रामटेके, अनिल पवार, नितिन माविनवार ने जंगली सुअर को कुएं से निकालकर जंगल में छोड़ा।

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें । – सम्पादक

लायंस कोरोना हेल्पलाइन द्वारा ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेन स्टाफ के लिए की भोजन व्यवस्था

गोंदिया – कोरोना संक्रमण काल में गोंदिया लायंस कोरोना हेल्पलाइन के सदस्यों द्वारा निरंतर सेवा कार्य किया जा रहा है। इसी के तहत १९ मई को उड़ीसा से सोलापुर जा रही मेडिकल ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेन के स्टाफ के लिए सूचना मिलते ही तत्काल भोजन व पानी की व्यवस्था की गई। गौरतलब है कि इस संक्रमण काल की महामारी में लायंस क्लब द्वारा सेवा कार्य के विभिन्न उपक्रम निरंतर चलाते हुए अपना सामाजिक दायित्व निभा रहे हैं। इसी के अंतर्गत बुधवार २१ मई को क्लब के सक्रिय सदस्य मनोज डोहरे को उड़ीसा से महाराष्ट्र के सोलापुर जा रही ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेन के एक स्टाफ द्वारा फोन पर सूचना देकर भोजन व पानी की व्यवस्था की मांग की गयी। जिस पर क्लब के सदस्यों द्वारा ट्रेन के २० कर्मचारियों के भोजन पानी व बिस्कुट की व्यवस्था कर दोपहर २ बजे के दौरान गोंदिया रेलवे स्टेशन पर स्पेशल ट्रेन के पहुंचने पर उन्हें उपलब्ध करवाया गया। विशेष यह है कि लॉकडाउन के दौरान नॉनस्टाप चलने वाली ऑक्सीजन स्पेशल ट्रेन के कर्मचारियों को कहीं भी भोजन और पानी उपलब्ध न होने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन गोंदिया लायंस क्लब हेल्पलाइन को इसकी जानकारी मिलते ही उपरोक्त स्टाफ के लिए पूरी व्यवस्था करने के साथ ही रात के भोजन की व्यवस्था के लिए नागपुर लायंस क्लब के सदस्यों से संपर्क कर व्यवस्था करने का अनुरोध किया गया। जिस पर सभी

कर्मचारियों के रात के भोजन की व्यवस्था नागपुर में लायंस क्लब द्वारा की गई। गोंदिया में लायंस क्लब के सदस्य लायन मनोज डोहरे, लायन कालूराम अग्रवाल, लायन मनोज दुर्गानी, लायन प्रतीक कदम, आशु अग्रवाल द्वारा इस कार्य को अंजाम दिया गया।

रासानिक खाद की बढ़ी कीमतों को वापस लें

राष्ट्रवादी कांग्रेस की मांग । आंदोलन की चेतावनी का जिला अधिकारी को दिया निवेदन

गोंदिया - केंद्र सरकार द्वारा खरीफ मौसम के पहले ही रासायनिक खाद की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर दी गयी है। खाद की ५० किलो की बैग पर ६०० से ७०० रुपए की बढ़ोतरी होने से पहले से ही संकट से जूझ रहे किसानो पर नई परेशानी केंद्र सरकार के कारण आ गई है। जिसके चलते केंद्र सरकार खाद की बढ़ी हुई कीमतों को तत्काल वापस ले अन्यथा इसके विरोध में राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा आंदोलन किया जाएगा, इस मांग का ज्ञापन प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी को जिला राष्ट्रवादी कांग्रेस द्वारा सौंपा गया।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमण के चलते किसान साल भर से ही संकट में चल रहा है। इस बात की जानकारी केंद्र सरकार को होने के बावजूद सरकार द्वारा रासायनिक खाद की कीमतों में भारी बढ़ोतरी कर किसान विरोधी सरकार होना स्पष्ट किया है। उपरोक्त सरकार केवल उद्योगपतियों का हित देखती है। किसानों की समस्याओं से उन्हें किसी भी प्रकार का लेना-देना नहीं यह स्पष्ट हो गया है। केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाई गई खाद की कीमतों को वापस लिया जाए, इस मांग का निवेदन प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी दीपककुमार मीना को राष्ट्रवादी कांग्रेस के शिष्टमंडल द्वारा दिया गया।

इस अवसर पर विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, सहसराम कोरोटी, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष विजय शिवनकर, गंगाधर परशुरामकर, अविनाश काशिवार, यशवंत गणवीर आदि उपस्थित थे।

पत्थर से कुचलकर युवक की हत्या

गोंदिया शहर पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले गांधी वार्ड में १९ मई की सुबह ४.३० बजे के दौरान गांधी वार्ड निवासी सुधीर रमेश सूर्यवंशी (३७) की पत्थर, ईट व लाठियों से कुचलकर हत्या कर दी। इस मामले में एक आरोपी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया।

गौरतलब है कि गांधी वार्ड निवासी मृतक सुधीर सूर्यवंशी की हत्या १९ मई की सुबह पुराने विवाद को लेकर गांधी वार्ड निवासी आरोपी संतोष उर्फ पप्पू गोपाल बंसोड़ (२१) द्वारा पत्थर, ईट व लाठी से कुचलकर हत्या कर दी। इसकी जानकारी शहर पुलिस थाने को होते ही वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में जांच शुरु कर २ घंटों के अंदर आरोपी को हिरासत में ले लिया। इस मामले में फरियादी श्रद्धा रमेश सूर्यवंशी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ शहर पुलिस थाने में भादवि की धारा ३०२ के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपी पर इसके पूर्व भी अनेक मामले दर्ज है। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अप्पर पुलिस अधीक्षक अशोक बंनकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में शहर पुलिस ने की।

अपने-अपने ईस्ट के मंत्र जाप का विश्व हिंदू परिषद ने किया आव्हान

गोंदिया – पूरे विश्व तथा विशेषकर भारत में कोरोना महामारी का प्रकोप चल रहा है। विश्व के सभी देश तथा भारत की केंद्र सरकार, राज्य सरकार तथा अन्य सभी संगठन, वैज्ञानिक, डॉक्टर, शासकीय कर्मचारी, समाजसेवी निरंतर पीड़ितों की सहायता करने का कार्य कर रहे हैं। इस दौरान आध्यात्मिक दृष्टि से भी कुछ लोग इस महामारी से बचाव के लिए अनुष्ठान आदि कर रहे हैं। जिसे देखते हुए विश्व हिंदू परिषद ने आव्हान किया है कि २० मई को सभी व्यक्ति अकेले या परिवार के साथ कोरोना के नियमों का पालन करते हुए अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार अपने इष्ट का मंत्र जाप का अनुष्ठान करें। कोरोना से जिनकी मृत्यु हुई है उनकी सद्गति के लिए प्रार्थना करते हुए ही विश्व कल्याण के लिए इस महामारी का नाश हो ऐसा अपने इष्ट देव को स्मरण करते हुए अनुष्ठान, सभी संकल्प लेकर पूर्ण करें । २० मई की सुबह गोंदिया के मोक्षधाम में भी हवन आयोजित किया गया है। जिसमें गोंदियावासी पहुंचकर आहुति दे सकते हैं। ऐसी जानकारी विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल गोंदिया द्वारा दी गई है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय

जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया

मो. : 9405244668, 7670079009

समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

दवाई, ऑक्सीजन व बेड की समस्या नहीं, कोविड से लड़ने हर स्तर पर हम तैयार

समय आरोप करने का नहीं बल्कि संकट से लड़ने का है – सांसद प्रफुल पटेल

गोंदिया - पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद प्रफुल पटेल ने १५ मई को गोंदिया जिलाधिकारी कार्यालय में कोविड पर हो रहे कार्यों व उपाय योजनाओं पर प्रशासकीय स्तर पर बैठक लेकर उनकी समीक्षा की।

बैठक के पश्चात सांसद पटेल ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए जानकारी दी कि, गोंदिया जिले में दवाई, ऑक्सीजन व बेड की समस्या पहले की तुलना में काफी हद तक ठीक हो चुकी है। वर्तमान समय किसी पर आरोप करने या टिप्पणी करने का नहीं है। अभी तो संकट से लड़ने का समय है। आज देश कोविड संकट की इस राष्ट्रीय आपदा से जूझ रहा है। अनेकों परिवारों ने अपनों को खोया है। दूसरे स्टेज के इस कोविड संकट में दिल्ली, मुंबई और अन्य महानगरों में ऑक्सीजन की कमी से मरीजों की मौत होने के समचार सामने आए है।

पटेल ने कहा, गोंदिया और भंडारा जिले में भी कोविड संक्रमण के प्रसार से सैकड़ो नागरिकों की जान गई है। हमनें इस भयावह परिस्थितियों में सतत संपर्क बनाए रखा। रेमडेसीवीर व ऑक्सीजन की कमी महसूस होने पर हमने ऑक्सीजन की उपलब्ध करायी। बेड्स कम पड़ने पर नए कोविड सेंटर खुलवाने की व्यवस्था की और हालातों पर काबू पाने का प्रयास किया। आज हम कोविड से लड़ने सक्षम है। सारी व्यवस्था को प्रशाकीय स्तर पर नियंत्रित किया जा रहा है। भगवान न करें तीसरे चरण पर कोविड का प्रसार हो। परंतु इसके भविष्य में होने की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था में दुरुस्ती की जानी आवश्यक है।

अदानी विद्युत कंपनी से बातचीत के बाद गोंदिया में सरकारी अस्पताल में १३ हजार लीटर का ऑक्सीजन प्लांट शुरु हो गया है। भंडारा में भी जल्द शुरु किये जाने का कार्य प्रारंभ है। ऑक्सीजन गैस रिफिलिंग करने का एकमात्र प्लांट गोंदिया में होने से प्रसाशकीय स्तर पर प्लांट बढ़ाने पर बातचीत जारी है।

पालकमंत्री नवाब मलिक व शासनस्तर पर जिला अस्पताल में कोविड व अन्य मरीजों के मुफ्त इलाज हेतु नई सिटी स्कैन मशीन हेतु चर्चा की गई है। जिले के देवरी, आमगांव, सालेकसा, सड़क अर्जुनी, तिरोडा में ऑक्सीजन प्लांट के निर्माण हेतु भी प्रयास जारी है।

मरीजों को लाने और ले जाने हेतु ७ नई आधुनिक एम्बुलेंस मंगवाई गई है। आरटीपीसीआर जांच हेतु एक और मशीन आ गई है। जिससे कोविड की जांच में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कोविड संकट को देखते हुए क्रीड़ा संकुल में ११० बिस्तरों के सर्वसुविधा युक्त कोविड सेंटर को प्रारंभ किया गया है। इसके अतिरिक्त १०० बेडों का एक और कोविड सेंटर प्रारंभ किया जाएगा।

अदानी विद्युत कंपनी द्वारा ऑक्सीजन के ५०-५० सिलेंडर गोंदिया-भंडारा जिला अस्पताल को भेंट करने पर सांसद पटेल ने अदानी कंपनी का आभार माना। उन्होंने कहा ऐसे संकट में अदानी ने दोनों जिलों को भरपुर सहयोग दिया। आगामी समय में अदानी से और सिलेंडर उपलब्ध होने की जानकारी दी। इस दौरान सांसद पटेल के साथ विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे, विधायक सहसराम कोरोटे, पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, जिलाधिकारी दीपककुमार मीना, जिप सीईओ डांगे, पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे उपस्थित थे।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।